आरती श्री हनुमान जी की

आरती कीजै हनुमान लला की ।
दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ।।
जाके बल से गिरिवर कांपे ।
रोग दोष जाके निकट न झांके ।। आरती...
अंजनी पुत्र महा बलदाई ।
सन्तन के प्रभु सदा सहाई ।।आरती...
दे बीरा रघुनाथ पठाये ।
लंका जारि सिया सुधि लाये ।।आरती...
लंका सो कोट समुद्र सी खाई ।
जात पवनसुत बार न लाई ।।आरती...
लंका जारि असुर संहारे ।
सियारामजी के काज संवारे ।। आरती...
लक्ष्मण मूर्छित पड़े सकारे ।
आनि संजीवन प्रान उबारे ।।आरती....
पैठि पाताल तोरि जम-कारे ।
अहिरावण की भुजा उखारे ।।आरती.....
बाएं भुजा असुरदल मारे ।
दहिने भुजा संतजन तारे ।।आरती...
सुर नर मुनि आरती उतारें ।
जय जय जय हनुमान उचारें ।।आरती...
कंचन थार कपूर लौ छाई ।
आरती करत अंजना माई ।।आरती....
जो हनुमान जी की आरती गावै ।
बसि बैकुण्ठ परम पद पावै ।।आरती....

।।श्री हनुमत्- वन्दन ।।

अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहं दनुजवनकृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यम् ।
सकलगुणनिधानं वानराणामधीशं रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि ।।

विवरण

श्री राम जी के सेवक एवं दुष्टों का नाश करने वाले हनुमान जी की आरती है । जिसके बल से गिरिवर पर्वत भी काँप जाता है तथा रोग एवं दोष (दुर्बुद्धि) जिसके डर से पास नहीं आता है, ऐसे माता अंजनी के पुत्र महा शक्तिशाली हैं, तथा अपने भक्तों पर ये सदा सहाय रहते हैं, उनकी सहायता करते हैं एवं दया रखते हैं ।

श्री राम जी ने हनुमान जी को सीता का पता लगाने का भार उन्हें सौंपा था, तो ये हनुमान जी पूरी लंका को जला आए तथा सीता का पता लगा लाये । पूरी लंका को जलाकर, राक्षसों को मारकर, सीता जी का पता इन्होनें राम को दे दिया ।

रावण और राम की लड़ाई के दौरान जब लक्ष्मण, बाण लगने से मूर्छित हो गये तब गिरिवर पर्वत से संजीवनी बूटी लाकर उनके प्राणों की रक्षा इन्होंने की । अहिरावण के इन्होंने हाथ उखाड़ के रख दिये । अपने बाएँ हाथ से इन्होनें राक्षसों का नाश किया तो दाहिने हाथ से संतजनों को तार दिया ।

देवता मुनि एवं सभी इनकी आरती करते हैं तथा हनुमान जी की जय-जयकार का उच्चारण करते हैं । सोने की थाली में कर्पूर जलाकर अंजनी माता इनकी आरती उतारती हैं । हनुमान जी की इस आरती को जो भी गाता है, वह बैकुण्ठ का वासी बनकर भगवान के परम पद को प्राप्त कर लेता है, अर्थात् जन्म-मरण के बंधन से छुटकारा पा लेता है ।

श्री हनुमत् -वन्दना

जो अपरिमित शक्ति को रखने वाले हैं, जिनका शरीर सोने की चट्टान के समान दिखता है, जो दया और कृपा रखने वाले हैं, ज्ञानियों में जिनका नाम आगे है ऐसे सर्वगुणसम्पन्न, वानरों के राजा एवं राम जी के भक्त हैं, ऐसे वानर जाति वाले हनुमान जी को नमस्कार है ।

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.